MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
DEPARTMENT OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

Government's review of the Annual Report and Audited Statement of Accounts of Indian Red Cross Society(IRCS), New Delhi for the year 2016-17

The Indian Red Cross Society (IRCS) is the largest statutory, independent humanitarian organization in India established by the IRCS Act, 1920 of the Parliament. It reaches out to the community through more than 700 State/UT, district and sub district branches spread throughout the country to reduce vulnerability and empower the community for disaster response. IRCS has more than 12 million volunteers and members in all the branches.

2. During the year 2016-17, Indian Red Cross Society, Blood Bank collected a total of 27295 units of blood out of which 24654 units were collected from voluntary blood donors. A total of 349 Blood Donations camps were conducted in various places like Educational Institutes, Corporate Offices and Religious/Social Organizations.

3. Further, various other activities of Disaster Management and Health services were undertaken by IRCS during the year such as Cyclone in Sri Lanka, occurrence of dengue in the Delhi NCR and several natural disasters. IRCS with International Committee of the Red Cross (ICRC) supported youth programme with focus on Red Cross Movement and its fundamental principles and Hygiene Promotion in 12 States (Assam, Andhra Pradesh, Chhattisgarh, Gujarat, Jammu and Kashmir, Maharashtra, Manipur, Meghalaya, Nagaland, Odisha, West Bengal and Tamil Nadu). It also supported the National Level Trainings on Youth as agents of behavioural Change that aims to empower youth leaders of the country to be agents of behavioural change within their communities.

4. IRCS also supplements the RNTCP programme of the Ministry of Health and Family Welfare, Government of India through its own TB programme in 5 states covering targeted communities. Patients, who are put on DOTS treatment and default are supported by Red Cross to complete full course of treatment. The Red Cross volunteers motivate, visit and encourage patients to continue with the drug regime and complete it. The results of IRCS intervention have seen compliance of 95 to 100 percent. Also, the flag ship programme SERV (Social Emergency Response Volunteers) is now being implemented in 16 States under which people from within the community are trained to respond in times of any disaster or emergency

5. IRCS gets funds from various sources. However, Ministry of Health & Family Welfare provided an annual Grant-in-Aid of Rs. 40 Lakh (Forty lakh only) to IRCS in 2016-17 subject to ceilings laid by Ministry of Finance from time to time.

Authenticated

Minister of Health & Family Welfare

इंडियन रेड क्रास सोसायटी (आईआरसीएस), नई दिल्ली की वर्ष 2016-17 की वार्षिक रिपोर्ट और लेखाओं की लेखा-परीक्षित विवरण के संबंध में सरकार की समीक्षा ।

इंडियन रेड क्रास सोसायटी (आईआरसीएस), संसद के आईआरसीएस अधिनियम, 1920 द्वारा स्थापित, भारत की सबसे बड़ी सांविधिक, स्वतंत्र मानवीय संगठन है। इसकी आपदा प्रतिक्रिया हेतु संवदेनशीलता कम करने व समुदाय सशक्तिकरण हेतु देशभर में 700 राज्य/संघ राज्य, जिला और उप जिला स्तर के 700 से अधिक शाखाओं के माध्यम से समुदाय तक पहुंच है। आईआरसीएस के सभी शाखाओं में 12 मिलियन से अधिक स्वैच्छिक कार्यकर्ता और सदस्य हैं।

2. वर्ष 2016-17 में, इंडियन रेड क्रास सोसायटी, ब्लड बैंक ने 27295 यूनिट रक्त एकत्रित किया जिसमें से 24654 यूनिट रक्त स्वैच्छिक रक्त दाताओं से एकत्र किया गया। शैक्षणिक संस्थानों, कॉर्पोरेट कार्यालयों और धार्मिक / सामाजिक संगठनों जैसे विभिन्न स्थलों में कुल 349 रक्तदान शिविर लगाए गए।

3. इसके अलावा, वर्ष के दौरान आईआरसीएस द्वारा श्रीलंका में चक्रवात, दिल्ली एनसीआर में डेंगू के फैलने को रोकने और अनेक प्राकृतिक आपदाओं जैसी आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित विभिन्न गतिविधियां की गई। आईआरसीएस ने रेड क्रॉस द्वारा समर्थित युवा कार्यक्रमों की अतर्राष्ट्रीय समिति के सहयोग से 12 राज्यों (असम, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, जम्मू व कश्मीर, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु) में रेड क्रास संचलन और इसके मूलभूत सिद्धांतों पर ध्यान केन्द्रित किया है। इसने व्यवहार परिवर्तन के एजेंट के रूप में युवाओं को राष्ट्र स्तरीय प्रशिक्षणों के लिए भी सहायता दी है जिसका उद्देश्य देश के युवा नेताओं को उनके समुदायों में व्यवहार परिवर्तन के एजेंट के रूप में अधिकार प्रदान करना है।

4. आईआरसीएस लक्षित समुदायों को कवर करते हुए 5 राज्यों में अपने निजी टीबी कार्यक्रम के द्वारा स्वास्थ्य और परिवार कल्याम मंत्रालय, भारत सरकार के आरएनटीसीपी कार्यक्रम में भी सहायता प्रदान करता है। ऐसे रोगी, जिन्हें डाट्स उपचार दिया जा रहा था और जो पूरा इलाज कराने से चूक जाते हैं, को रेड क्रास द्वारा उपचार का पूरा कोर्स करने के लिए सहायता दी जाती है। रेड क्रॉस के स्वयंसेवक औषधि का पूरा सेवन करने के लिए रोगियों को प्रेरित करते हैं, उनसे मुलाकात करके उन्हें प्रोत्साहित करते हैं। आईआरसीएस कार्यकलाप के परिणामों से 95 से 100 प्रतिशत तक अनुपालन का पता चलता है। इसके अलावा, अग्रणी कार्यक्रम एसईआरवी (सामाजिक आपदा प्रतिक्रिया स्वयंसेवक) को अब 16 राज्यों में कार्यान्वित किया जा रहा है जिसके अंतर्गत समुदाय के लोगों को ही कोई आपदा होने या आपात स्थिति उत्पन्न होने पर उससे निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

5. आईआरसीएस विभिन्न स्रोतों से निधियां प्राप्त करता हैं। तथापि, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने वित्त मंत्रालय द्वारा समय-समय पर निर्धारित उच्चतम सीमा के अधीन वर्ष 2016-17 के दौरान आईआरसीएस को 40.00 लाख रुपए का वार्षिक सहायता अनुदान प्रदान किया है।

अधिप्रमाणित

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री